द्वारा लखिति श्री जे.आर. हार्टर
मंगलवार, 21 नवम्बर 2006 17:42 - अंतमि अद्यतन गुरुवार, 20 मार्च 2008 18:24

सबसे मुख्□य हमें प्रभु यीशु पर वशि्□वास करना परन्□तु इससे पहले हमें परमेश्□वर पर वशि्□वास करना है□ जब तक हम परमेश्□वर पति पर वशि्□वास नहीं करते तो हम उसके पुत्र यीशु मसीह पर क्□यों कर वशि्□वास करेंगे? यीशु संसार में इसलयि आया कि वह हमें परमेश्□वर से मलिा□ परन्□तु यदि कोई परमेश्□वर है ही नहीं तो यीशु के जीने-मरने का कोई अभप्रिाय नहीं, इसलयि "अक़ीदा" में सबसे पहले परमेश्□वर पर वशि्□वास माना जाता है, "मैं इतक़िाद रखता हूं खुदा क़ादरि □ मुतलक बाप पर जसिने आसमान और ज़मीन को पैदा कयिा
"

अथवा
"

हर □क परमेश्□वर सर्वशक्तमिान पति पर वशि्□वास करते हैं□ वह स्□वर्ग और पृथ्□वी का और समस्□त दृश्□य □वम् अदृश्□य वस्□तुओं का कर्ता है
"

ऐसे वशि्□वास पत्र सी.□न.आई. तथा मेथोडसि्□ट की कतिाबों में पा□ जाते हैं और हैं सही-सही□
और अधकिलम्□बी तौर से परमेश्□वर की नसिबत हमारा वशि्□वास है कि
"

वह है और अपने खोजने वालों को प्रतफिल देता है□
"

(इब्रानयिों 11:6)

कि

द्वारा लिखित श्री जे.आर. हार्ट्टर
मंगलवार, 21 नवम्बर 2006 17:42 - अंतिम अद्यतन गुरुवार, 20 मार्च 2008 18:24

“

वह है और था आने वाला है, वह सर्वशक्तिमान है□

”

(प्रकाशित वाक्य 1:8)

कि

“

हम उसी में जीवित रहते और चलते-फिरते और स्थिर रहते है□

”

(प्रेरितों के काम 17:28)

बाइबिल का सबसे पहला पद (उत्पत्ति 1:1) स्पष्ट करता है कि आदि में परमेश्वर ने आकाश और पृथ्वी की

द्वारा लिखित श्री जे.आर. हार्टर
मंगलवार, 21 नवम्बर 2006 17:42 - अंतिम अद्यतन गुरुवार, 20 मार्च 2008 18:24

सृष्टि की□ यह मौलिक बात है और जब तक हम इस पहले पद को ग्रहण नहीं करते तो आगे बढ़ने से कोई लाभ नहीं□ जब तक हम इस मौलिक बात को नहीं मानते तो हम ख्रीष्□ टयान नहीं कहलाये जा सकते□ दाऊद ने अपने □ क गीत (भजन संहिता 14) में गाया,

“

मूर्ख ने अपने मन में कहा कि परमेश्□ वर है ही नहीं

”

, वास्□ तव में कम लोग हैं, जो दावा

द्वारा लिखित श्री जे.आर. हार्टर
मंगलवार, 21 नवम्बर 2006 17:42 - अंतिम अद्यतन गुरुवार, 20 मार्च 2008 18:24

करेंगे कि परमेश्वर है ही नहीं, अधिक से अधिक यह कहा जाता है कि कोई महाशक्ति है लेकिन वह क्या है हमें नहीं मालूम।

दो बातें सम्भावित हैं याने परमेश्वर है अथवा परमेश्वर नहीं है। यदि परमेश्वर है तो वह सर्वशक्तिमान सृजनहार है जिसने देखी हुई वस्तुओं को, अनदेखी वस्तुओं को बनाया है। क्योंकि वह सर्वशक्तिमान है हम उसके

द्वारा लिखित श्री जे.आर. हार्ट्टर
मंगलवार, 21 नवम्बर 2006 17:42 - अंतिम अद्यतन गुरुवार, 20 मार्च 2008 18:24

आश्□ चर्यकर्मों से चकित नहीं होते□ जबकि परमेश्□ वर की इतनी शक्ति है तो यह मामूली बात है कि वह बाइबलि के द्वारा हमें अपने आपको प्रगट करता है□

यदि यह सच है कि परमेश्□ वर केवल कल्□ पना है तो हम सचमुच अभाग्□ य और अनाथ हैं□ यदि कोई सृजनहार परमेश्□ वर नहीं है तब यह सरांश निकलता है कि सृष्टि अपने आप बनी कोई अभिप्राय

द्वारा लिखित श्री जे.आर. हार्ट्र
मंगलवार, 21 नवम्बर 2006 17:42 - अंतिम अद्यतन गुरुवार, 20 मार्च 2008 18:24

उत्□ पन्□ न हुई तथा सब धर्म और वशि□ वास बेकार हैं□ यदि आपका विचार है कि परमेश्□ वर केवल कल्□ पना है तब आप मुझे मूर्ख समझेंगे और मैं आपको□ परन्□ तु मरने पर यदि आपको मालूम हो जा□ कि आपका विचार ग़लत था तब आपकी हानि अधिक होगी परन्□ तु यदि मेरा विचार ग़लत निकले तो फिर भी मेरी

द्वारा लिखित श्री जे.आर. हार्टर
मंगलवार, 21 नवम्बर 2006 17:42 - अंतिम अद्यतन गुरुवार, 20 मार्च 2008 18:24

कोई हानि नहीं है□

अविश्□ वासी जन शायद यह

कहना चाहेगा कि उसके

अविश्□ वास का यह लाभ होता

है कि जो कुछ वह करना चाहता

है वो करेगा परन्□ तु विश्□ वासी

को परमेश्□ वर की खुशी का

विचार करना पड़ता है□ यह बात

कुछ हद तक ठीक है परन्□ तु मेरे

द्वारा लिखित श्री जे.आर. हार्टर
मंगलवार, 21 नवम्बर 2006 17:42 - अंतिम अद्यतन गुरुवार, 20 मार्च 2008 18:24

जीवन भर का अनुभव है कि पवित्र जीवन हर समय लाभदायक है। यह स्पष्ट है कि वशि वासी का जीवन हमेशा सुखदायक नहीं रहता तथा किसी वशि वासी के धनी बनने की कम आशा है फिर भी आनन्द और शांति और संतोष जो वशि वासी को मिलते हैं वे

द्वारा लखिति श्री जे.आर. हार्ट्र
मंगलवार, 21 नवम्बर 2006 17:42 - अंतमि अद्यतन गुरुवार, 20 मार्च 2008 18:24

वर्णन से बाहर हैं और पैसों से नहीं खरीदे जा सकते हैं□

जब मैं सृष्टि को देखता हूं तो मेरा तर्क मुझे बतलाता है कि परमेश्□ वर जीवति है, उसके बाद मेरा अनुभव परमेश्□ वर को प्रमाणति करता है□ मेरा अनुभव यह है कि 70 साल से परमेश्□ वर की सहायता और

द्वारा लखिति श्री जे.आर. हार्ट्र
मंगलवार, 21 नवम्बर 2006 17:42 - अंतमि अद्यतन गुरुवार, 20 मार्च 2008 18:24

अगुवाई मेरे साथ रही तथा मेरे जीवन में अनेक ऐसी घटना□ं घटीं जनिमें यदि परमेश्□ वर की मदद न होती तो मैं बच न नक्लिता□

अब आप खुद नर्िणय कीजयि कि इन दोनों वचिारों में से कौन सा वचिार ठीक है□

द्वारा लिखित श्री जे.आर. हार्टर
मंगलवार, 21 नवम्बर 2006 17:42 - अंतिम अद्यतन गुरुवार, 20 मार्च 2008 18:24

जब मैं जवान था, □ क गीत गाया करता था जिसका यह मतलब था कि

“

संसार कहता है कि मैं कल्□ पना कर रहा हूं परन्□ तु यदि यह स्□ वप्□ न है तो मुझे

द्वारा लिखित श्री जे.आर. हार्टर
मंगलवार, 21 नवम्बर 2006 17:42 - अंतिम अद्यतन गुरुवार, 20 मार्च 2008 18:24

जगाना नहीं□

”

आख़ि□ र ये बातें रह जाती हैं

—

यहोवा का भय मानना बुद्धि□ का मूल है□

(नीतविचन 1:7)

और

वशि्□ वास ही से हम

जान जाते हैं क सारी

सृष्ट की रचना

परमेश्□ वर के द्वारा

हुई है□ (इब्रानयिों

द्वारा लिखित श्री जे.आर. हार्टर
मंगलवार, 21 नवम्बर 2006 17:42 - अंतिम अद्यतन गुरुवार, 20 मार्च 2008 18:24

11:3) [illegible].[illegible]